IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 1 of 38 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY

एमपीएसई-012

(हिन्दी माध्यम)

FROM PREVIOUS YEAR PAPER's

IMPORTANT QUESTION ANSWER's

Guess Paper / Exam Notes

By India's No.1 - Mother Publication

FOR MORE PDF 9485943709

Disclaimer for Guess / Sample Paper By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905: -

This PDF contains sample papers compiled from previous years' questions of the IGNOU It is intended to provide you with a general idea of the paper format and may cover some potential questions. However, it is important to note the following:

1. **No Guarantee of Exam Questions:** We do not guarantee that the questions presented in this sample paper will appear in your actual exams. The content is for practice purposes only.
2. **Book Study Recommended:** To achieve good marks in your IGNOU exams, it is highly recommended that you thoroughly study the prescribed course materials and textbooks. Relying solely on this sample paper may not be sufficient for exam success.
3. **Use as a Study Aid:** Use this sample paper as a supplementary study aid to test your knowledge and exam preparedness.
4. **Self-Responsibility:** Your performance in exams is your responsibility, and success depends on your dedication to studying the course material.

We wish you the best of luck with your IGNOU exams. Thank you for using this sample paper as part of your preparation. **By MOTHER NOTES- 8529719732, 99922-90905**

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 2 of 38 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

खंड-I

10 अंकों के प्रश्न - प्रत्येक 400-500 शब्द

प्रश्न - आस्ट्रेलियाई जनसंख्या की मुख्य विशेषताओं की व्याख्या करें।

उत्तर- ऑस्ट्रेलियाई जनसंख्या की मुख्य विशेषताएँ

ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या अपने ऐतिहासिक, सामाजिक और आर्थिक विकास से प्रभावित अनूठी विशेषताओं को प्रदर्शित करती है। इन विशेषताओं को समझने से देश के जनसांख्यिकीय रुझानों और चुनौतियों की गहरी समझ मिलती है। ऑस्ट्रेलियाई जनसंख्या की मुख्य विशेषताएँ नीचे दी गई हैं।

1. जनसंख्या का आकार और वृद्धि:

ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या अपने विशाल भू-भाग की तुलना में अपेक्षाकृत कम है। हाल के अनुमानों के अनुसार, इसकी जनसंख्या 2.6 करोड़ से अधिक है, जिसके परिणामस्वरूप जनसंख्या घनत्व लगभग 3 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर है। ऑस्ट्रेलिया में जनसंख्या वृद्धि मध्यम है और मुख्य रूप से प्राकृतिक वृद्धि (जन्म घटा मृत्यु) और आप्रवासन से प्रभावित होती है, जहाँ अपेक्षाकृत कम जन्म दर के कारण आप्रवासन जनसंख्या वृद्धि को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

2. शहरीकरण

ऑस्ट्रेलियाई आबादी अत्यधिक शहरीकृत है। 85% से ज़्यादा ऑस्ट्रेलियाई शहरी क्षेत्रों में रहते हैं, खासकर सिडनी, मेलबर्न, ब्रिस्बेन, पर्थ और एडिलेड जैसे बड़े शहरों में। शहरीकरण के इस उच्च स्तर के कारण उन्नत बुनियादी ढाँचे का विकास हुआ है, जीवन स्तर ऊँचा हुआ है और महत्वपूर्ण आर्थिक गतिविधियाँ शहरी केंद्रों में केंद्रित हैं, जबकि बड़े ग्रामीण इलाकों में आबादी कम है।

3. आयु संरचना:

ऑस्ट्रेलिया की जनसंख्या वृद्ध होती जा रही है और यहाँ वृद्धों का अनुपात बढ़ रहा है। औसत आयु लगभग 38-39 वर्ष है, जो लंबी जीवन प्रत्याशा और घटती प्रजनन दर को दर्शाती है। 65 वर्ष और उससे अधिक आयु के लोगों का अनुपात लगातार बढ़ रहा है, जिससे स्वास्थ्य सेवा, पेंशन और

FOR MORE PDF 9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 3 of 38 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

सामाजिक सहायता प्रणालियों के लिए चुनौतियाँ पैदा हो रही हैं। साथ ही, कार्यशील आयु वर्ग (15-64 वर्ष) की जनसंख्या जनसंख्या का बड़ा हिस्सा है, जो आर्थिक उत्पादकता में महत्वपूर्ण योगदान देती है।

4. प्रजनन क्षमता और मृत्यु दर

ऑस्ट्रेलिया में प्रजनन दर कम है, प्रति महिला लगभग 1.7 बच्चे, जो प्रतिस्थापन स्तर 2.1 से कम है। उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं, स्वच्छ पर्यावरण और उच्च जीवन स्तर के कारण मृत्यु दर कम है। जीवन प्रत्याशा विश्व स्तर पर सबसे अधिक है, औसतन लगभग 83 वर्ष।

5. जातीय और सांस्कृतिक विविधता:

ऑस्ट्रेलिया एक बहुसांस्कृतिक समाज है जिसमें आप्रवासियों का एक महत्वपूर्ण अनुपात है। यूरोपीय मूल के लोग बहुसंख्यक हैं , लेकिन एशियाई और अन्य प्रवासी समुदायों की उपस्थिति भी बढ़ रही है। मूल ऑस्ट्रेलियाई, हालांकि जनसंख्या का एक छोटा सा हिस्सा (लगभग 3-4%) हैं, देश की सांस्कृतिक विविधता और विरासत में योगदान करते हैं। आप्रवासन नीतियों ने इस विविधता को आकार दिया है और एक बहुसांस्कृतिक वातावरण को बढ़ावा दिया है।

6. प्रवासन रुझान:

जनसंख्या वृद्धि में प्रवासन की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। ऑस्ट्रेलिया कुशल प्रवासियों और शरणार्थियों को आकर्षित करता है, जिससे श्रम की कमी को दूर करने और आर्थिक विकास में योगदान करने में मदद मिलती है। ग्रामीण क्षेत्रों से शहरी क्षेत्रों में आंतरिक प्रवासन भी जनसांख्यिकीय वितरण को प्रभावित करता है।

निष्कर्ष

संक्षेप में, ऑस्ट्रेलियाई जनसंख्या की विशेषताएँ निम्न घनत्व, उच्च शहरीकरण, वृद्धावस्था संरचना, कम प्रजनन क्षमता, लंबी जीवन प्रत्याशा और बहुसांस्कृतिक संरचना हैं। ये विशेषताएँ उन जनसांख्यिकीय चुनौतियों और अवसरों को दर्शाती हैं जो ऑस्ट्रेलिया के सामाजिक, आर्थिक और नीतिगत परिदृश्य को आकार देती हैं।

प्रश्न - ऑस्ट्रेलियाई औपनिवेशिक नीति के आदिवासियों के प्रति सामाजिक प्रभाव की आलोचनात्मक जांच करें।

उत्तर- ऑस्ट्रेलिया की अपनी मूल आबादी, आदिवासियों, के प्रति औपनिवेशिक नीति के गहरे और दीर्घकालिक सामाजिक परिणाम हुए। 18 वीं शताब्दी के उत्तरार्ध से, जब ब्रिटिश उपनिवेशवादियों ने उपनिवेश स्थापित किए, आदिवासियों को व्यवस्थित विस्थापन, हाशिए पर धकेले जाने और आत्मसातीकरण की नीतियों का सामना करना पड़ा, जिससे उनकी पारंपरिक सामाजिक संरचना और सांस्कृतिक पहचान छिन्न-भिन्न हो गई। सबसे तात्कालिक सामाजिक प्रभावों में से एक **विस्थापन और भूमि का नुकसान था** । उपनिवेशवादियों ने बस्तियों, कृषि और पशुपालन गतिविधियों के लिए आदिवासी भूमि के विशाल भूभागों पर कब्ज़ा कर लिया, और अक्सर समुदायों को उनके पैतृक क्षेत्रों से हिंसक रूप से हटा दिया। इससे न केवल आदिवासियों का अपनी भूमि से आध्यात्मिक संबंध टूट गया—जो उनके सामाजिक और सांस्कृतिक जीवन का एक मूल तत्व था—बल्कि उनकी पारंपरिक आर्थिक प्रथाओं में भी बाधा आई, जिससे व्यापक गरीबी और सामाजिक विघटन हुआ।

एक और महत्वपूर्ण प्रभाव **सांस्कृतिक क्षरण था** । औपनिवेशिक शासक अक्सर आदिवासी समुदायों पर पश्चिमी मानदंड, शिक्षा और धर्म थोपते थे। मिशनरी स्कूलों की शुरुआत और पारंपरिक प्रथाओं पर प्रतिबंध का उद्देश्य आदिवासी आबादी को "सभ्य" बनाना था। परिणामस्वरूप, पीढ़ी दर पीढ़ी भाषाएँ, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक ज्ञान लुप्त होते गए। कई आदिवासी बच्चों को " **चोरी पीढ़ी" नामक नीतियों के तहत उनके परिवारों से जबरन अलग कर दिया गया** , जिसका उद्देश्य उन्हें श्वेत समाज में समाहित करना था। इससे गहरा आघात, परिवार टूटना और पहचान का ह्रास हुआ, जो आज भी आदिवासी समुदायों को प्रभावित कर रहा है।

इस नीति ने **नस्लीय भेदभाव और सामाजिक बहिष्कार को भी बढ़ावा दिया** । आदिवासियों को अक्सर दोयम दर्जे का नागरिक माना जाता था, उनके बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा जाता था और उन पर कड़े कानून लागू किए जाते थे। यूरोपीय लोगों के साथ सामाजिक संबंध बेहद असमान थे और आदिवासी लोगों को रोज़गार, आवास और शिक्षा के मामले में हाशिए पर रखा गया था। इस तरह के व्यवस्थागत भेदभाव ने सामाजिक असमानता की एक विरासत को जन्म दिया और आदिवासी समुदायों में अभाव और गरीबी के चक्र को जारी रखा।

FOR MORE PDF-9485943709

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 4 of 38 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

आदिवासी समाजों के लचीलेपन पर ध्यान देना ज़रूरी है । कई समुदायों ने अपनी पारंपरिक संस्कृति, मौखिक इतिहास और रिश्तेदारी प्रणालियों के तत्वों को बनाए रखा है। समय के साथ, आदिवासी सक्रियता और कानूनी मान्यता ने ऐतिहासिक अन्याय को चुनौती देने, भूमि अधिकारों को पुनः प्राप्त करने और सांस्कृतिक प्रथाओं को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया है।

निष्कर्षतः, ऑस्ट्रेलियाई औपनिवेशिक नीतियों के आदिवासियों के प्रति विनाशकारी सामाजिक प्रभाव पड़े, जिनमें विस्थापन, सांस्कृतिक क्षति, पारिवारिक विघटन और व्यवस्थागत भेदभाव शामिल हैं। हालाँकि आदिवासी समुदायों को इन औपनिवेशिक विरासतों में निहित चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है, फिर भी उनका प्रतिरोध और सांस्कृतिक संरक्षण के प्रति उनके प्रयास स्थायी सामाजिक शक्ति और लचीलेपन को दर्शाते हैं।

ALL SOLVED ASSIGNMENT, GUESS PAPER, PROJECT - HAND WRITTEN SCAN PDF, HARDCOPY BY POST ORDER- ON WHATSAPP MSG- 8529719732, 99922-90905 OR VISIT- motherpublication.in / mothernotes.in

प्रश्न - श्वेत आस्ट्रेलियाई नीति की उत्पत्ति और विकास की व्याख्या करें।

उत्तर- श्वेत **ऑस्ट्रेलियाई नीति** ऐतिहासिक कानूनों और प्रथाओं के एक समूह को संदर्भित करती है जिसका उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया में गैर-यूरोपीय आप्रवासन को प्रतिबंधित करना है, जिससे मुख्यतः श्वेत, एंग्लो-सेल्टिक आबादी बनी रहे। इसकी उत्पत्ति और विकास औपनिवेशिक और संघीय ऑस्ट्रेलिया के बाद की सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक गतिशीलता से गहराई से जुड़ा हुआ है।

श्वेत ऑस्ट्रेलियाई नीति की उत्पत्ति 19 वीं शताब्दी के मध्य में स्वर्ण-खोज के युग में देखी जा सकती है। 1850 के दशक में सोने की खोज ने चीन और अन्य एशियाई देशों से प्रवासियों को आकर्षित किया। चीनी खनिकों के आगमन से यूरोपीय प्रवासियों में नौकरियों, वेतन और सामाजिक प्रतिष्ठा के लिए कथित प्रतिस्पर्धा के कारण असंतोष पैदा हुआ। आर्थिक विस्थापन और सांस्कृतिक भिन्नताओं के भय से प्रेरित नस्लवादी दृष्टिकोण ने गैर-यूरोपीय लोगों की तुलना में यूरोपीय प्रवासियों को तरजीह देने वाली नीतियों की नींव रखी। औपनिवेशिक सरकारों ने चीनी प्रवासियों पर कर लगाने और उनके स्वतंत्र रूप से काम करने और बसने के अधिकारों पर प्रतिबंध लगाने जैसे उपाय किए।

1901 में ऑस्ट्रेलिया के संघीकरण के साथ , श्वेत ऑस्ट्रेलियाई नीति राष्ट्रीय स्तर पर औपचारिक रूप ले ली। **1901 का आव्रजन प्रतिबंध अधिनियम** इस नीति का आधार था। इसमें श्रुतलेख परीक्षा जैसे उपकरणों का प्रयोग किया गया, जो किसी भी यूरोपीय भाषा में दी जा सकती थी, जिससे गैर-यूरोपीय प्रवासियों को देश में प्रवेश करने से प्रभावी रूप से रोका जा सका। इस अधिनियम का उद्देश्य ऑस्ट्रेलिया की "नस्लीय शुद्धता" को बनाए रखना और यूरोपीय ऑस्ट्रेलियाई लोगों के लिए रोजगार के अवसरों और वेतन की रक्षा करना था। आव्रजन प्रतिबंधों के साथ-साथ, इस नीति ने सहायता प्राप्त प्रवासन योजनाओं के माध्यम से यूरोपीय बसावट को भी प्रोत्साहित किया, जिससे एक समरूप श्वेत आबादी को बल मिला।

दशकों से, बदलती राजनीतिक और अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप यह नीति विकसित होती रही। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, सहयोगियों और श्रम की आवश्यकता के कारण आव्रजन प्रतिबंधों में कुछ ढील दी गई, हालाँकि नस्लीय वरीयता की व्यापक नीति बरकरार रही। युद्धोत्तर काल में, ऑस्ट्रेलिया ने अपनी अर्थव्यवस्था और जनसंख्या के पुनर्निर्माण के लिए ब्रिटिश और यूरोपीय आप्रवासियों को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया, जिससे मूल नीति का नस्लीय पूर्वाग्रह और भी मज़बूत हुआ।

श्वेत ऑस्ट्रेलियाई नीति का क्रमिक विघटन 1960 और 1970 के दशक में शुरू हुआ। प्रधानमंत्रियों रॉबर्ट मेन्ज़ीस और हेरोल्ड होल्ट के शासनकाल में, गैर-यूरोपीय प्रवासियों को कुशल या पारिवारिक मानदंडों के आधार पर प्रवेश की अनुमति दी जाने लगी। 1973 में व्हिटलैम सरकार द्वारा इस नीति को औपचारिक रूप से समाप्त कर दिया गया, जिसने बहुसंस्कृतिवाद पर ज़ोर देते हुए एक गैर-भेदभावपूर्ण आव्रजन नीति लागू की। इसने नस्लीय रूप से विशिष्ट ढाँचे से एक समावेशी दृष्टिकोण की ओर बदलाव को चिह्नित किया, जो समानता और विविधता के प्रति ऑस्ट्रेलिया की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU "MOTHER PUBLICATION" All PDF BUY ON WHATSAPP MSG- 9485943709
Page 5 of 38 Pages in this Full pdf
THIS IS COPYRIGHT PDF DO NOT SELL OR SHARE TO ANYONE- OTHERWISE LEGAL ACTION TAKEN

निष्कर्षतः, श्वेत ऑस्ट्रेलियाई नीति गैर-यूरोपीय प्रवास के औपनिवेशिक भय से उत्पन्न हुई और नस्लीय एकरूपता बनाए रखने के लिए एक औपचारिक विधायी ढाँचे के रूप में विकसित हुई। अंततः इसका उन्मूलन बदलते सामाजिक दृष्टिकोण, आर्थिक आवश्यकताओं और अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों को दर्शाता है, जिसने आधुनिक बहुसांस्कृतिक ऑस्ट्रेलिया का मार्ग प्रशस्त किया।

प्रश्न - ऑस्ट्रेलिया में आव्रजन और नागरिकता अधिकारों के गठन पर चर्चा करें।

उत्तर- ऑस्ट्रेलिया का आव्रजन और नागरिकता ढाँचा पिछली सदी में ऐतिहासिक, राजनीतिक और सामाजिक कारकों से प्रभावित होकर काफ़ी विकसित हुआ है। शुरुआत में, देश की नीतियाँ उसके औपनिवेशिक मूल और नस्लीय विचारधाराओं से गहराई से जुड़ी थीं, लेकिन बाद में वे ज़्यादा समावेशी और अधिकार-आधारित दृष्टिकोणों की ओर अग्रसर हुईं।

प्रारंभिक आव्रजन नीतियां

19 वीं और 20 वीं शताब्दी के आरंभ में, ऑस्ट्रेलिया की आव्रजन नीति मुख्यतः "श्वेत ऑस्ट्रेलिया नीति" से प्रेरित थी, जिसे 1901 के आव्रजन प्रतिबंध अधिनियम के साथ औपचारिक रूप से लागू किया गया था। इस नीति का उद्देश्य गैर-यूरोपीय आप्रवासन को प्रतिबंधित करके मुख्यतः यूरोपीय आबादी को बनाए रखना था। आर्थिक विकास, विशेष रूप से खनन, कृषि और बुनियादी ढाँचे के क्षेत्र में, को बढ़ावा देने के लिए आव्रजन मुख्यतः कुशल ब्रिटिश प्रवासियों पर केंद्रित था। गैर-यूरोपीय लोगों, विशेष रूप से एशियाई और प्रशांत द्वीपवासियों को कड़े प्रतिबंधों का सामना करना पड़ा, जिससे उनके बसने के अधिकार और अवसर सीमित हो गए।

नागरिकता अधिकार और कानून

1949 से पहले, ऑस्ट्रेलियाई लोगों को ब्रिटिश नागरिक माना जाता था और उनकी कोई अलग ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता नहीं थी। 26 जनवरी 1949 से प्रभावी, **1948 के राष्ट्रीयता और नागरिकता अधिनियम ने** एक विशिष्ट ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता का निर्माण किया, जो निवासियों के अधिकारों और दायित्वों को परिभाषित करने में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुआ। नागरिकता के माध्यम से कानूनी मान्यता, मतदान का अधिकार, सामाजिक सेवाओं तक पहुँच और सार्वजनिक पदों के लिए पात्रता प्राप्त होती थी। हालाँकि, इस अधिनियम में शुरू से ही नस्लीय पूर्वाग्रहों की झलक मिलती रही, क्योंकि गैर-यूरोपीय लोगों को अभी भी नागरिकता प्राप्त करने में बाधाओं का सामना करना पड़ रहा था।

युद्धोत्तर आव्रजन सुधार

द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने जनसंख्या और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए बड़े पैमाने पर आव्रजन कार्यक्रम शुरू किया। सरकार ने यूनाइटेड किंगडम के साथ समझौतों और विस्थापित व्यक्तियों के कार्यक्रमों के माध्यम से यूरोपीय प्रवास को प्रोत्साहित किया। इस अवधि के दौरान, नागरिकता का दायरा और व्यापक किया गया, हालाँकि नीतियाँ अभी भी यूरोपीय लोगों के पक्ष में थीं।

श्वेत ऑस्ट्रेलिया नीति का उन्मूलन और समकालीन नागरिकता

1970 का दशक एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हुआ, जब नस्लीय भेदभावपूर्ण आव्रजन कानूनों को धीरे-धीरे खत्म किया गया। **नस्लीय भेदभाव अधिनियम 1975** और उसके बाद के कानूनों में हुए सुधारों ने कौशल और मानवीय आवश्यकताओं के आधार पर गैर-भेदभावपूर्ण चयन पर ज़ोर दिया। आज, ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता जन्म, वंश या प्राकृतिककरण के आधार पर प्रदान की जाती है, जिसके मानदंड निवास, चरित्र और ऑस्ट्रेलिया के मूल्यों के ज्ञान जैसे होते हैं। अब आव्रजन नीतियाँ आर्थिक आवश्यकताओं, पारिवारिक पुनर्मिलन और मानवीय सुरक्षा के बीच संतुलन बनाने के लिए बनाई जाती हैं, जो आधुनिक बहुसांस्कृतिक सिद्धांतों को दर्शाती हैं।

निष्कर्ष

ऑस्ट्रेलिया में आप्रवासन और नागरिकता अधिकारों का गठन, बहिष्कारवादी, नस्लीय पूर्वाग्रही नीतियों से एक समावेशी, अधिकार-आधारित व्यवस्था की ओर बदलाव को दर्शाता है। जहाँ ऐतिहासिक नीतियों में नस्ल और औपनिवेशिक संबंधों को प्राथमिकता दी गई थी, वहीं समकालीन कानून समानता, मानवाधिकारों और बहुसंस्कृतिवाद पर ज़ोर देते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि नागरिकता और आप्रवासन ऑस्ट्रेलिया के विविध सामाजिक ताने-बाने को प्रतिबिंबित करते हैं।

प्रश्न - निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर लगभग 200 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(क) 1999 का जनमत संग्रह

All Full PDF- https://mothernotes.in/ - Previous year solved paper , Guess Paper.

IGNOU MOTHER PUBLICATION - ASSIGNMENTS & GUESS PAPERS & PYQ SOLVED PDF

INDIA'S NUMBER 1 STUDY MATERIAL PROVIDER

यह केवल एक सैंपल पीडीएफ है।

यह केवल Sample PDF है। पूरी Solved Assignment या Guess Paper PDF खरीदने के लिए हमारी वेबसाइट पर जाएँ

या

WhatsApp पर मैसेज करें।

WHATSAPP ONLY: +91 9485943709

WHATSAPP ONLY:: +91 9992290905

1. Solved Assignment Visit -:: https://motherpublication.in/

2. Pyq Solved Guess paper Visit:-: https://mothernotes.in/

Mother Publication • IGNOU Study Resources